Tender Heart High School_ Sector - 33 B Chandigarh

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग - 2 उपविषय - पाठ - 2 (व्यस्त मकड़ी)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा दूसरी की हिन्दी की पाठ्य पुस्तक के पेज नं० 9 पर दिए पाठ - 2 'व्यस्त मकड़ी' को पढ़ेंगे। यह पाठ आपको 03 जुलाई, 2024 को भेजा जाएगा। यह आवाज़ सुमन शर्मा की है।

बच्चो! अब मैं पाठ पढ़ना शुरू करती हूँ। सभी बच्चे अपनी हिन्दी की पाठ्य पुस्तक का पेज नं० 9 खोल कर रख लें, साथ ही हिन्दी की नोटबुक भी अपने पास रख लें। पाठ के बीच में मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी जिनके उत्तर आप अपनी नोटबुक में लिखोगे।

बच्चो! आज मैं जो कहानी पढ़ने जा रही हूँ वह हमें अपना काम स्वयं लगन और मेहनत से करने की सीख देती है। मनुष्य हो या पशु - पक्षी सभी अपना घर बनाते हैं। इस कहानी में एक छोटी-सी मकड़ी के बारे में बताया गया है जो अपना काम कर रही है उससे दूसरों को प्रेरणा मिलती है। मैं आपको यहाँ कहानी का सार बताने जा रही हूँ!

'कहानी का सार'

सुबह का समय था। चारों तरफ सूर्य का प्रकाश फैल रहा था। चिड़ियाँ चीं-चीं कर रही थीं। कलियाँ मुसकरा रही थीं।

चुनमुन के घर के बाहर एक बगीचा था। बगीचे में नन्ही-सी मिचकी नाम की मकड़ी पेड़ की एक नीची टहनी पर चैन से सो रही थी। जैसे ही सूरज की एक किरण मकड़ी के पास आई, मिचकी ने अँगड़ाई ली।

Scanned with ACE Scanner

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग - 2 उपविषय - व्यस्त मकड़ी
(पाठ - 2)

टीचर - सुमन शर्मा

अरे, देखते ही देखते मिचकी ने अपना जाला भी बुनना शुरू कर दिया। चुनमुन अपने कमरे की खिड़की से मिचकी को देख रहा था।

इतने में एक कबूतर आकर पास की डाल पर बैठ गया। कबूतर मिचकी से बोला - मिचकी मेरे पंखों पर बैठ जाओ। दूर आसमान की सैर करेंगे। मिचकी बोली - मेरे पास समय नहीं है, कबूतर भाई।

कुछ देर बाद एक तोता पास की डाल पर आ बैठा। तोता - टें - टें - टें - टें करते हुए बोला - आओ मिचकी अमरूद के पेड़ पर चलते हैं। पेड़ पर बहुत मीठे - मीठे अमरूद लगे हैं, मिलकर खाएँगे। मिचकी ने तोते की बात अनसुनी कर दी। लगन से अपना जाला बुनती रही।

बच्चो! अब पाँच मिनट की ब्रेक लेते हैं। ब्रेक में जाने से पहले मैं आप से कुछ प्रश्न पूछने जा रही हूँ जिनके उत्तर आप ब्रेक के दौरान अपनी हिन्दी की नोटबुक में लिखोगे।

प्रश्न : 1. चुनमुन के घर के बाहर क्या था?

प्रश्न : 2. चुनमुन अपने कमरे की खिड़की से किसे देख रहा था?

प्रश्न : 3. मिचकी क्या बुन रही थी?

(ब्रेक का समय समाप्त)

Scanned with ACE Scanner

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग-2 उपविषय-पाठ-2 (व्यस्त मकड़ी)

टीचर - सुमन शर्मा

बच्चो। कहानी को आगे बढ़ाने से पहले मैं आपको ऊपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बता देती हूँ।

उत्तर : 1. चुनमुन के घर के बाहर एक बगीचा था।

उत्तर : 2. चुनमुन अपने कमरे की खिड़की से मिचकी को देख रहा था।

उत्तर : 3. मिचकी अपना जाला बुन रही थी।

मिचकी अभी अपना काम करने में जुटी हुई थी तभी एक कोयल कूकती हुई उसके पास आकर बैठ गई और बोली – मिचकी रानी मेरा गीत सुनोगी? मिचकी बोली – पहले मैं अपना घर बना लूँ, कोयल रानी, फिर आराम से बैठकर तुम्हारा गीत सुनूँगी।

अचानक आसमान में काले बादल छा गए। मोर मस्त होकर, सुंदर पंख फैलाकर नाचने लगा। उसकी नज़र मिचकी के घर पर पड़ी। वह रुक गया और आश्चर्य से बोला– इतना सुंदर जाल किसने बुना है? मिचकी, क्या यह सुंदर जाल तुम्हारा है? मिचकी बोली – हाँ भाई, बड़ी मेहनत से मैंने अपना घर बनाया है। लगता है, बारिश आने वाली है। अब मैं कहाँ जाऊँ, क्या करूँ?

तभी टप-टप-टप बूँदें पड़ने लगीं। चुनमुन यह सब सुन रहा था। उसने घर से एक छतरी लाकर मिचकी के जाले के ऊपर टिका दी। फिर भाग कर अपने घर की तरफ चला गया। अब मिचकी खुश थी और अपने जाले में बैठी बारिश का आनंद ले रही थी। चुनमुन भी अपनी खिड़की से मिचकी को देखकर मुसकरा रहा था।

Scanned with ACE Scanner

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

पुस्तक - नवतरंग - 2 उपविषय - पाठ - 2 (व्यस्त मकड़ी)

टीचर - सुमन शर्मा

बच्चो ! अब आपको 'व्यस्त मकड़ी' की कहानी समझ आ गई होगी। हमें भी लगन और मेहनत से अपना काम करना चाहिए।

गृहकार्य -

* सभी विद्यार्थी पाठ - 2 को दो - तीन बार उच्च स्वर में पढ़ने का प्रयास करेंगे।
* सभी विद्यार्थी एक पेज सुलेख का अवश्य लिखेंगे।
* भाषा तरु के प्रश्न नं० 5 को विद्यार्थी अभिभावकों की सहायता से पुस्तक पर ही हल करेंगे।
* 'भाषा तरु' का कार्य भी हल करके भेजा जा रहा है। इस कार्य को आप पुस्तक पर ही लिखेंगे।
* इस पाठ के प्रश्न / उत्तर हल करके आपको वीरवार को भेजे जाएँगे।

(last Page)

Scanned with ACE Scanner